राजस्थान पत्रिका

Tuesday, November 1, 2011

लक्ष्य की भूख पैदा करें: वेंकटचलैया

जैन कॉलेज में दीक्षांत समारोह

बेंगलूरु

bangaluru@patrika.com

अपने लक्ष्य तक पहुंचने में वही लोग सफल होते हैं जिनके सपनों में ताकत होती है। जब तक लक्ष्य को पाने की भूख पैदा नहीं होगी तथा कठिनाईयों से लड़ने की चिंगारी नहीं उठेगी, तब तक सफलता अर्जित करना संभव नहीं है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने काम में इतनी लगन से जुट जाएं कि अन्य चीजें उनका ध्यान आकृष्ट ही न कर सकें। लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रयास ही इसे पाने का सर्वोत्कृष्ट साधन है। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटचलैया ने जैन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उत्साहित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

प्रयास में इमानदारी

पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि देश में अवसर की कमी नहीं है। सपनों को पूरा करने के लिए पूरी दुनिया छात्रों के कदम चूम सकती है, बशर्ते उनकी प्रयास में इमानदारी हो और सपनों को हकीकत में बदलने का दम। विद्यार्थियों ने भी वेंकटचलैया की बातों को ध्यान से सुना और उन पर अमल करने की प्रतिज्ञा की। उन्होंने वचन दिया कि पढ़ाई पूरा करने के बाद अपने सपनों को साकार कर वे देश तथा समाज के उत्थान के लिए काम करेंगे।

हुए भावुक

दीक्षांत समारोह में करीब 400 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्रियां बांटी गईं। वाणिज्य, प्रबंधन, बायोटेक्नोलॉजी, मास कम्यूनिकेशन, अंग्रेजी, कन्नड़, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत आदि के विद्यार्थी दो वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद डिग्री हासिल करते हुए बड़े रोमांचित नजर आए। कई छात्र तो भावुक भी हो उठे। एक ओर डिग्री हासिल करने की खुशी थी तो दूसरी ओर साथियों से बिछुड़ने का गम।

जैन विश्वविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ आर चेनराज जैन ने टॉपरों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया।

शेरिन इलिजाबेथ, मेघा आर कृष्णा, वैरा रेड्डी, तेजस्विनी एमके, प्रशु महेरिया, वीणा ए तथा बालमुरली कृष्णा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन सुंदरराजन ने स्वागत भाषण पेश किया। चेनराज जैन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा और मेहनत उन्हें ऊंचाईयों तक ले जाएगी।

(का.स.)

जैन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर की डिग्री पाने के बाद खुशी जाहिर करते हुए